नईदुनिया

चेन्नई के अलावा देश के दूसरे सर्राफा बाजार में महंगा हुआ सोना, चांदी के भाव में बदलाव नहीं

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान चेन्नई के अलावा ज्यादातर दूसरे सर्राफा बाजार में तेजी का रुख बना हुआ है। दूसरी ओर चेन्नई में सोने के भाव में गिरावट दर्ज की गई है। वहीं चांदी के भाव में लगातार दूसरे दिन कोई बदलाव नहीं हुआ है। सोने की कीमत में बदलाव होने के कारण चेन्नई के अलावा देश के दूसरे सर्राफा बाजार में सोना 970 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,040 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। वहीं चेन्नई में सोना 500 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 550 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है।

कीमत में हुए इस परिवर्तन की वजह से देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,54,190 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,54,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,41,340 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,41,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में भी 2,49,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,54,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,41,510 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,54,210 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,41,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,54,260 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,41,410 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,54,190 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,41,340 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,54,210 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,41,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,54,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,41,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,54,360 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,41,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,54,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,41,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

न्यूज ब्रीफ

यूपीआई गलत लेनदेन: जानें अपनी मेहनत की कमाई वापस पाने के आसान तरीके

मुंबई। डिजिटल युग में यूपीआई ने पैसों के लेन-देन को बेहद सरल कर दिया है, लेकिन इसकी तीव्र गति कई बार गलती का कारण बनती है। जल्दबाजी में गलत मोबाइल नंबर या क्यूआर कोड पर पैसे भेज देना आम बात है, जिससे लोग अपनी मेहनत की कमाई खोने की आशंका से घबरा जाते हैं। इसके बाद यह समझना महत्वपूर्ण है कि गलत यूपीआई लेनदेन को तुरंत रद्द नहीं किया जा सकता, लेकिन कुछ आसान और प्रभावी तरीकों से इन पैसों को वापस पाने की उम्मीद हमेशा बनी रहती है। यदि आपसे ऐसी गलती हो गई है, तब पहला और सबसे महत्वपूर्ण कदम है उस यूपीआई एप (जैसे गूगल पे, फोन पे या पेटीएम) में तुरंत शिकायत दर्ज करना जिससे लेनदेन किया गया था। अपने लेनदेन इतिहास में जाकर गलत ट्रांजेक्शन ढूंढें और समस्या बताएं या विवाद दर्ज करें जैसे विकल्प का चयन करें। यहां आपको स्पष्ट रूप से बताना होगा कि पैसा गलत खाते में चला गया है। एप पर आपकी शिकायत दर्ज होते ही प्रारंभिक कार्रवाई शुरू हो जाती है। इसके साथ ही, तुरंत अपने बैंक से संपर्क करना भी उतना ही जरूरी है। आप अपनी बैंक शाखा में व्यक्तिगत रूप से जा सकते हैं या उनके कस्टमर केयर हेल्पलाइन पर काल कर सकते हैं। बैंक को गलत यूपीआई लेनदेन के बारे में सूचित करें और लेनदेन आईडी, प्राप्तकर्ता की यूपीआई आईडी/खाता संख्या, तथा लेनदेन की तारीख और समय जैसी सभी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करें। ये सभी विवरण आपकी लेनदेन रसीद पर उपलब्ध रहना होगा। जितनी जल्दी आप बैंक को सूचित करते हैं, बैंक उतनी ही तेजी से इस मामले पर आवश्यक कार्रवाई कर पाएगा, जिससे पैसे की वापसी की संभावना बढ़ जाती है।

केंद्रीय कर्मचारियों को बैंक हड़ताल से पहले 25 सितंबर को मिलेगी सैलरी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने अपने लाखों कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को बड़ी राहत दी है। सितंबर महीने की सैलरी और पेंशन तय तारीख से पहले 25 सितंबर को ही जारी कर दी जाएगी। यह फैसला 28 से 30 सितंबर तक प्रस्तावित तीन दिवसीय बैंक हड़ताल के मद्देनजर लिया गया है। वित्त मंत्रालय के कंट्रोलर जनरल आफ अकाउंट्स ने एक आफिस मेमोरेंडम जारी कर बताया है कि यूनाइटेड फोरम आफ बैंक यूनियंस (यूएफबीयू) ने 28 से 30 सितंबर तक तीन दिवसीय हड़ताल का आह्वान किया है। यह हड़ताल 30 सितंबर को होने वाली छमाही क्लोजिंग के समय हो रही है, जिससे कर्मचारियों को समय पर वेतन मिलने में दिक्कत आ सकती थी। इसे देखते हुए सरकार ने रक्षा, डाक और दूरसंचार सहित सभी केंद्रीय सरकारी कार्यालयों को निर्देश दिए हैं कि वे सितंबर 2026 महीने के लिए सभी कर्मचारियों और पेंशनभोगियों का वेतन-पेंशन 25 सितंबर 2026 को ही जारी कर दें। यह अग्रिम भुगतान होगा, और सितंबर की सैलरी में किसी नए भत्ते या एरियर का समायोजन अगले महीने अक्टूबर में किया जाएगा। इस फैसले से सभी केंद्रीय कर्मचारी, औद्योगिक श्रमिक और सेवानिवृत्त कर्मचारी लाभान्वित होंगे, जिनकी पेंशन भी 25 सितंबर को ही खातों में क्रेडिट हो जाएगी।

अपाचे आरआर 310 और आरटीआर 310 के ब्लैक डायमंड एडिशन लान्च

नई दिल्ली। अपनी प्रीमियम अपाचे सीरीज में टीवीएस मोटर कंपनी ने खास अपडेट के तहत अपाचे आरआर 310 और अपाचे आरटीआर 310 के ब्लैक डायमंड एडिशन लान्च किए हैं। अपाचे आरआर 310 में कीलेस राइड फीचर भी जोड़ा गया है, जो पहले से ही अपाचे आरटीआर 310 में उपलब्ध था। ये दोनों वेरिएंट्स टाप-स्पेक क्विकशिफ्टर वाले माडल पर आधारित हैं और इनमें एक आकर्षक डार्क, स्टील्थी कलर स्कीम दी गई है, जो बाइकों को अधिक आक्रामक और प्रीमियम लुक देती है। इन एडिशन्स में यांत्रिक रूप से कोई बड़ा बदलाव नहीं किया गया है, बल्कि मुख्य फोकस कास्मेटिक एन्हांसमेंट पर है। अपाचे आरटीआर 310 ब्लैक डायमंड एडिशन की दिल्ली एक्स-शोरूम कीमत 2,48,990 रुपये है, जबकि अपाचे आरआर 310 ब्लैक डायमंड एडिशन 2,87,790 रुपये में उपलब्ध है। दोनों माडल में 312 सीसी का लिक्विड-कूल्ड सिंगल-सिलेंडर इंजन बरकरार रखा गया है।

अबेकस म्यूचुअल फंड को मिली सेबी की बड़ी मंजूरी, फोक्कस के साथ एसआईएफ सेगमेंट में करेगा प्रवेश

नई दिल्ली

निवेश क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में अबेकस म्यूचुअल फंड को भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) से स्पेशलाइज्ड इन्वेस्टमेंट फंड (एसआईएफ) शुरू करने की मंजूरी मिल गई है। कंपनी ने बताया कि सेबी ने 28 अगस्त, 2026 को यह मंजूरी दी है।

अबेकस अपने एसआईएफ को फोक्कस ब्रांड नाम से बाजार में उतारेगा, जिससे उसे निवेशकों के लिए विविध और अनूठी निवेश रणनीतियाँ पेश करने का नया अवसर मिलेगा। अबेकस ने बताया कि फोक्कस ब्रांड के तहत वह इक्विटी, डेट और हाइब्रिड जैसी विभिन्न श्रेणियों में निवेश रणनीतियां पेश करेगा। ये रणनीतियां लागू नियमों और आवश्यक मंजूरियों को पूरा करने के अधीन होंगी। कंपनी का उद्देश्य इन एसआईएफ के माध्यम से अपनी मौजूदा शोध-आधारित निवेश रणनीति और अनुशासित जोखिम प्रबंधन दृष्टिकोण को एक नए, लचीले ढांचे के साथ एकीकृत करना है। सेबी ने 1 अप्रैल, 2025 से एसआईएफ ढांचे को लागू किया था। यह ढांचा एसेट मैनेजमेंट कंपनियों को अलग-अलग निवेश रणनीतियां पेश करने की अनुमति देता है, साथ ही म्यूचुअल फंड पर लागू नियामकीय निगरानी और निवेशक सुरक्षा सिद्धांतों को भी बनाए रखता है। अबेकस ने स्पष्ट किया कि इन रणनीतियों के निवेश उद्देश्यों, एसेट एलोकेशन, जोखिम-कारकों और लान्च की समयसीमा से जुड़ी विस्तृत जानकारी नियामकीय फाइलिंग पूरी होने के बाद जारी की जाएगी। अबेकस के एक प्रमुख अधिकारी ने इस कदम को कंपनी के लिए एक नए अध्याय की शुरुआत बताया। उन्होंने कहा कि एआईएफ, पीएमएस, म्युचुअल फंड और अब एसआईएफ - इन सभी सेगमेंट में हमारा उद्देश्य हमेशा निवेशकों के लिए सार्थक अवसरों की पहचान करना रहा है। सिंघानिया ने जोर दिया कि एसआईएफ ढांचा विभिन्न निवेश रणनीतियों को अपनाने में लचीलापन देता है, जिससे कंपनी अपनी निवेश सोच पर कायम रहते हुए निवेशकों की बदलती जरूरतों को पूरा कर सकेगी और विभिन्न बाजार चक्रों में अवसरों पर ध्यान केंद्रित कर सकेगी।

प्याज, चीनी, नींबू के बाद अब खाने का तेल होगा महंगा, लागों को लगेगा झटका

नई दिल्ली। लोग दशहरा, छठ पूजा और दीवाली की तैयारियों में जुटे हैं, लेकिन बढ़ती महंगाई ने आम आदमी टेंशन में है। प्याज, चीनी, नींबू के बाद अब खाना पकाने के लिए इस्तेमाल होने वाले तेल की भी कीमतें बढ़ने वाली हैं। भारत अपनी जरूरत का करीब 58फीसदी खाद्य तेल आयात करता है, जिससे वैश्विक बाजार में होने वाली हलचल का सीधा असर घरेलू कीमतों पर पड़ता है। अगले फेस्टिव सीजन से पहले कीमतें बढ़ती हैं, तो यह मार्च के बाद एडिबल आयल की कीमतों में बढ़ोतरी का तीसरा दौर होगा। रिपोर्ट के मुताबिक अगर अगले फेस्टिव सीजन से पहले कीमतें बढ़ती हैं, तो यह मार्च के बाद एडिबल आयल की कीमतों में बढ़ोतरी का तीसरा दौर होगा। मार्च से शुरू हुए दो दौर में कंपनियां 5-6फीसदी तक कीमतें बढ़ा चुकी हैं। इसके चलते मार्च और जून के बीच कुल कीमतें 10-12फीसदी तक बढ़ तक बढ़ गई हैं। अब मौजूदा वैश्विक परिस्थितियों और कच्चे माल की सप्लाई में कमी होने की वजह से कीमतों में 7-8फीसदी की एक और बढ़ोतरी की आशंका है। अगर ऐसा होता है, तो मार्च से लेकर अब तक खाद्य तेलों के कुल दाम करीब 18-20फीसदी तक बढ़ जाएंगे। रिपोर्ट के मुताबिक कीमतों पर यह नया दबाव कच्चे खाने वाले तेलों की ज्यादा आयात लागत की वजह से है। एक डेटा से पता चला है कि 18 सितंबर को मुंबई बंदरगाहों पर कच्चा पाम, सोयाबीन और सूरजमुखी तेल क्रमशः 1,265 डालर, 1,314 डालर और 1,380 डालर प्रति टन की कीमत पर पहुंचा। जहां पाम और सोयाबीन तेल की लागत एक साल पहले के मुकाबले 11फीसदी ज्यादा थी। वहीं, सूरजमुखी तेल की लागत में 7फीसदी का इजाफा हुआ।

एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली

रसोई गैस सिलेंडर की कीमतों में आम जनता को राहत मिली है। सरकारी तेल मार्केटिंग कंपनियों ने घरेलू और कमर्शियल दोनों ही एलपीजी सिलेंडरों के दामों में कोई बदलाव नहीं किया है। हालांकि, त्योहारी सीजन के मद्देनजर बढ़ती मांग और अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों के बावजूद, देश में एलपीजी की किल्लत न होने का भरोसा दिया गया है।

14.2 किलोग्राम वाला स्टैंडर्ड कुकिंग गैस सिलेंडर और 19 किलोग्राम वाला कमर्शियल सिलेंडर दोनों ही पहले के रेट पर उपलब्ध हैं। महीने की शुरुआत में 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल सिलेंडर की कीमत में 9.50 रुपये की मामूली बढ़ोतरी की गई थी, लेकिन घरेलू एलपीजी की दरों में तब भी कोई बदलाव नहीं हुआ था और यह स्थिरता आज भी बनी हुई है।

प्रमुख शहरों में कीमतें को भी अपरिवर्तित हैं। राजधानी दिल्ली में घरेलू सिलेंडर 942 रुपये और

घरेलू और कमर्शियल दोनों सिलेंडर के दाम स्थिर

कमर्शियल सिलेंडर 2,747.50 रुपये में मिल रहा है। मुंबई में घरेलू सिलेंडर 941.50 रुपये और कमर्शियल सिलेंडर 2,701 रुपये पर उपलब्ध है। कोलकाता में घरेलू सिलेंडर 968 रुपये और कमर्शियल सिलेंडर 2,884 रुपये में मिल रहा है।

एक तरफ जहां त्योहारी सीजन में एलपीजी सिलेंडर की मांग बढ़ी है, वहीं अमेरिका-ईरान संघर्ष के चलते अंतरराष्ट्रीय आपूर्ति में बाधाएं आ रही हैं।

इन चुनौतियों के बीच, देश की सरकारी रिफाइनरियों ने एलपीजी का उत्पादन बढ़ा दिया है। वर्तमान में प्रतिदिन लगभग 44,000 टन एलपीजी का उत्पादन हो रहा है, जो अगस्त के दैनिक औसत से करीब 20 फीसदी अधिक है। इससे यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि आगामी त्योहारों में देश के भीतर रसोई गैस की कोई किल्लत नहीं होगी।

एलपीजी सिलेंडर की कीमतें सीधे तौर पर घरेलू बजट और रेस्टोरेंट, होटल व अन्य व्यवसायों के आपरेटिंग कास्ट पर असर डालती हैं. ऐसे में अगर आपका भी प्लान 24 सितंबर, 2026 को रिफिल आर्डर करने का है, बुकिंग कन्फर्म करने से पहले यह देख लें कि आपके शहर में अभी रेट कितना चल रहा है।

2 अक्टूबर को नो यूपीआई डे का ऐलान

नई दिल्ली। यूपीआई ट्रांजैक्शन पर लगने वाले नए शुल्क के खिलाफ देशभर के व्यापारियों ने मोर्चा खोल दिया है। फेडरेशन आफ आल इंडिया व्यापार मंडल (एफएआईवीएम) और कान्फेडरेशन आफ आल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) सहित कई प्रमुख संगठनों ने 2 अक्टूबर को नो यूपीआई डे मनाने की घोषणा की है, जिसके तहत उस दिन यूपीआई से कोई लेनदेन नहीं होगा। आम जनता को कैश या कार्ड से भुगतान करना होगा। कारोबारी 2000 रुपये से अधिक के पीयर-टू-मर्चेंट (पी2एम) यूपीआई लेनदेन पर 15 अक्टूबर से लगने वाले 0.4 फीसदी मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) शुल्क का विरोध कर रहे हैं। उनका तर्क है कि पहले से ही कम मार्जिन वाले व्यवसायों पर यह अतिरिक्त वित्तीय बोझ डालेगा, जिसकी अधिकतम सीमा 300 रुपये तय की गई है। इंदौर रिटेल गारमेंट्स एसोसिएशन ने चेतावनी दी है कि 15 अक्टूबर तक फैसला वापस न होने पर वे यूपीआई क्यूआर कोड मशीनें हटा देंगे। इस विरोध की बानगी 23 सितंबर को मध्य प्रदेश में देखने को मिली, जहां भोपाल, इंदौर सहित 125 व्यापारिक संगठनों ने नो यूपीआई डे मनाया, जिससे लगभग 25 फीसदी कारोबार प्रभावित हुआ।

त्योहारों से पहले खाने के तेल पर आयात शुल्क घटा

सोयाबीन-पाम और सूरजमुखी तेल हो सकते हैं सस्ते

नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने त्योहारी सीजन से पहले देश में खाने के तेल की उपलब्धता सुनिश्चित करने और कीमतों पर लगाम कसने के उद्देश्य से एक बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने विभिन्न खाद्य तेलों के आयात शुल्क में कटौती की घोषणा की है। ये नई दरें 24 सितंबर से प्रभावी हो गई हैं। इस फैसले से घरेलू बाजार में खाद्य तेलों की कीमतों पर कुछ हद तक राहत मिलने की उम्मीद जगी है, हालांकि खुदरा कीमतों पर इसका असर तत्काल दिखाई देना जरूरी नहीं है। केंद्रीय वित्त मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, क्रूड सोयाबीन और क्रूड पाम आयल पर आयात शुल्क को 10 फीसदी से घटाकर 5 फीसदी कर दिया गया है। इसी तरह रिफाइंड सोयाबीन और रिफाइंड पाम आयल पर शुल्क 32.5 फीसदी से घटकर 27.5 फीसदी पर आ गया है। सबसे बड़ी राहत क्रूड सनफ्लावर आयल पर मिली है, जिसका आयात शुल्क 10 फीसदी से घटाकर शून्य कर दिया गया है, जबकि रिफाइंड सनफ्लावर आयल पर यह 32.5 फीसदी से 22.5 फीसदी हो गया है। आयात शुल्क में इस कटौती से तेल कंपनियों के लिए विदेश से कच्चा और रिफाइंड तेल मंगाना सस्ता हो जाएगा। सैद्धांतिक रूप से, इससे उपभोक्ताओं

को भी कीमतों में कमी का लाभ मिल सकता है। हालांकि, खुदरा बाजार में कीमतों पर तत्काल असर दिखना मुश्किल है क्योंकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम, रुपये की विनिमय दर और कंपनियों के पास मौजूद पुराने स्टाक जैसे कारक भी अहम भूमिका निभाते हैं।

भारत अपनी खाद्य तेल की जरूरत का एक बड़ा हिस्सा आयात करता है, खासकर पाम आयल मलेशिया और इंडोनेशिया से, जबकि सोयाबीन और सूरजमुखी तेल भी विदेशों से आते हैं। त्योहारी मांग बढ़ने से पहले सरकार का यह कदम बाजार में तेल की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने का भी प्रयास है। हालांकि, इस फैसले का घरेलू किसानों पर प्रतिकूल असर पड़ने की आशंका भी है।

सस्ता आयातित तेल बाजार में आने से स्थानीय तिलहन जैसे सोयाबीन की कीमतें प्रभावित हो सकती हैं, जिससे किसानों की आय पर दबाव पड़ेगा। सरकार के सामने उपभोक्ताओं को किफायती दरों पर तेल उपलब्ध कराने और किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने के बीच संतुलन बनाने की चुनौती बनी हुई है। गौरतलब है कि सरकार ने सितंबर 2024 में किसानों को राहत देने के लिए आयात शुल्क बढ़ाया था, जबकि मई 2025 में कच्चे खाद्य तेल पर इसमें कटौती की गई थी।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत, एशिया में भी बिकवाली का दबाव

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान गिरावट के साथ बंद हुए। डाउ जान्स फ्यूचर्स भी कमजोरी के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव बना रहा। इसी तरह एशियाई बाजार में भी आमतौर पर बिकवाली होती हुई नजर आ रही है।

बान्ड यील्ड में उछाल आने की वजह से अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली होती रही। पूरे सत्र में दबाव के साथ कारोबार करने के बाद डाउ जान्स इंडस्ट्रियल एवरेज 0.70 प्रतिशत की गिरावट का शिकार हो

गया। इसी तरह एस एंड पी 500 इंडेक्स ने 0.75 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 7,706.39 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। वहीं नैस्डेक 308.24 अंक यानी 1.13 प्रतिशत टूट कर 26,936.04 अंक के स्तर पर बंद हुआ। डाउ जान्स फ्यूचर्स फिलहाल 91.97 अंक यानी 0.18 प्रतिशत फिसल कर 51,419.62 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। अमेरिकी बाजार की तरह ही यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली होती रही। एफटीएसई इंडेक्स 0.03 प्रतिशत की मामूली कमजोरी के साथ 10,705.26 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.39 प्रतिशत की गिरावट के साथ 8,123.41 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 168.22 अंक यानी 0.66 प्रतिशत लुढ़क कर 25,410.63 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। एशियाई बाजार में भी आमतौर पर बिकवाली का दबाव बना हुआ है। एशिया के नौ बाजार में से सात के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि एक सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में बना हुआ है। दक्षिण कोरिया के स्टाक एक्सचेंज में हार्वेस्ट फेस्टिवल चूसोक की छुट्टी होने की वजह से कोस्पी इंडेक्स में कोई हलचल नहीं हो रही है। एशियाई बाजार में इकलौता निक्केई इंडेक्स 646.05 अंक यानी 0.99 प्रतिशत की जोरदार तेजी के साथ 65,665 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 211.50 अंक यानी 0.90 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 23,234 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स भी 0.90 प्रतिशत की गिरावट के साथ 6,317.53 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। शंघाई कंपोजिट इंडेक्स पर भी दबाव बना हुआ नजर आ रहा है। फिलहाल यह सूचकांक 0.93 प्रतिशत टूट कर 3,900 अंक के स्तर पर आ गया है। इसी तरह हैंग सेंग इंडेक्स 143.12 अंक यानी 0.58 प्रतिशत फिसल कर 24,691 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा ताइवान वेटेड इंडेक्स 173.45 अंक यानी 0.36 प्रतिशत लुढ़क कर 47,983.84 अंक के स्तर पर आ गया है।